



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 457]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 19, 1976/साविन 27, 1898

No. 457]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 19, 1976/ASVINA 27, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 19th October, 1976

S.O. 683(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (83 of 1951), the Central Government hereby specifies the manufactures (other than carpet backing, hessian and jute fabrics, sacking, jute twines and yarns and cotton bagging) containing jute fifty per cent or more by weight as the class of goods manufactured or produced wholly or in part of jute in the scheduled industry of textiles on which a duty of excise shall be levied and collected as a cess at the rate of Rs. 2.00 only for the purpose of the said Act for the period commencing from the 1st November 1976 up to and inclusive of the 28th February, 1977 and further makes the following amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 141(E), dated the 25th February, 1976, namely:—

In the Table below the said Order, after serial No. 4 and the entries relating thereto, the following shall be added, namely:—

(1)	(2)	(3)
"5	The manufactures (other than those specified at serial numbers 1 to 4 above) containing 50% or more of jute by weight.	Rs. 2.00 P (Rupees two only)."

[No. F. 13(25)/LP/74]
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

(1963)

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1976

का० आ० 141 (असा०).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पचास प्रतिशत या उससे अधिक भार वाले पटसन के विनिर्मितियों (गलीचा, ग्रस्तरों, टाट और पटसन के कपड़ों, बोरों, पटसन की रस्सियों और तन्तुओं तथा सूती बोरों से भिन्न) को माल के ऐसे वर्ग के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो वस्त्र के ऐसे अनुसूचित उद्योग में सम्पूर्णतः या अंशतः पटसन से विनिर्मित या उत्पादित हुए हैं, जिस पर 1 नवम्बर, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 28 फरवरी, 1977 तक की, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, अवधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ केवल 2.00 रु० की दर से उपकर के रूप में उत्पाद-शुल्क उद्ग्रहीत और संग्रहीत किया जाएगा तथा भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 141 (असा०), तारीख 25 फरवरी, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश के नीचे की सारणी से, क्रम सं० 4 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

(1)	(2)	(3)
5	ऐसी विनिर्मितियाँ (ऊपर क्रम सं० 1 से 4 तक में विनिर्दिष्ट की गई से भिन्न) जिनमें पटसन की मात्रा भार में 50 प्रतिशत या उससे अधिक।	2.00 रु० (केवल को रूपए)

[स० फा० 13(25)/९० ५०/७४]

दिनेश किशोर सक्सेना, सचिव-साचिव ।।

यह प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
निबन्धक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976